



Model: Love-Horoscope

Order No: 121120801

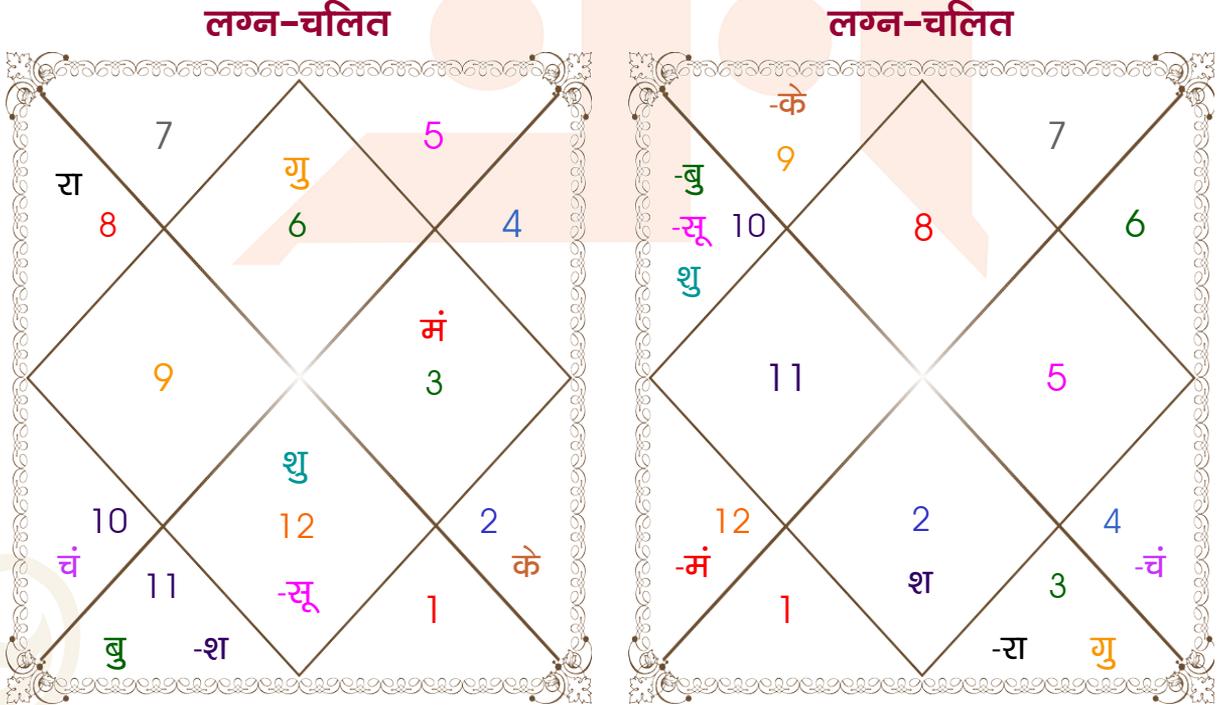
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
19/03/1993 :	जन्म तिथि	: 28-29/01/2002
शुक्रवार :	दिन	: सोम-मंगलवार
घंटे 19:48:00 :	जन्म समय	: 04:00:00 घंटे
घटी 33:14:48 :	जन्म समय(घटी)	: 51:36:47 घटी
India :	देश	: India
Dharmasala :	स्थान	: Dharmasala
32:14:00 उत्तर :	अक्षांश	: 32:14:00 उत्तर
76:24:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:24:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:24:24 :	स्थानिक संस्कार	: -00:24:24 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:30:04 :	सूर्योदय	: 07:21:17
18:34:10 :	सूर्यास्त	: 17:53:42
23:46:01 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:52:54
कन्या :	लग्न	: वृश्चिक
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: मंगल
मकर :	राशि	: कर्क
शनि :	राशि-स्वामी	: चन्द्र
धनिष्ठा :	नक्षत्र	: पुष्य
मंगल :	नक्षत्र स्वामी	: शनि
1 :	चरण	: 4
सिद्ध :	योग	: आयुष्मान
तैतिल :	करण	: बव
गा-गगन :	जन्म नामाक्षर	: डा-डाली
मीन :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: कुम्भ
वैश्य :	वर्ण	: विप्र
जलचर :	वश्य	: जलचर
सिंह :	योनि	: मेष
राक्षस :	गण	: देव
मध्य :	नाड़ी	: मध्य
मार्जार :	वर्ग	: श्वान

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
मंगल 6वर्ष 2मा 2दि	21:38:49	कन्या	लग्न	वृश्चि	23:41:24	शनि 2वर्ष 8मा 22दि
गुरु	05:13:24	मीन	सूर्य	मक	14:56:58	केतु
21/05/2017	24:54:33	मक	चंद्र	कर्क	14:45:06	22/10/2021
21/05/2033	20:22:26	मिथु	मंगल	मीन	13:22:39	21/10/2028
गुरु 10/07/2019	16:58:13	कुंभ व	बुध व	मक	12:19:58	केतु 20/03/2022
शनि 20/01/2022	17:25:06	कन्या व	गुरु व	मिथु	13:21:34	शुक्र 20/05/2023
बुध 27/04/2024	24:52:23	मीन व	शुक्र	मक	18:24:38	सूर्य 25/09/2023
केतु 03/04/2025	01:33:59	कुंभ	शनि व	वृष	14:14:47	चन्द्र 25/04/2024
शुक्र 03/12/2027	22:02:00	वृश्चि व	राहु व	मिथु	02:36:57	मंगल 21/09/2024
सूर्य 20/09/2028	22:02:00	वृष व	केतु व	धनु	02:36:57	राहु 10/10/2025
चन्द्र 20/01/2030	27:49:40	धनु	हर्ष	कुंभ	00:01:57	गुरु 15/09/2026
मंगल 27/12/2030	27:03:46	धनु	नेप	मक	14:35:34	शनि 25/10/2027
राहु 21/05/2033	01:37:48	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	23:02:30	बुध 21/10/2028

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

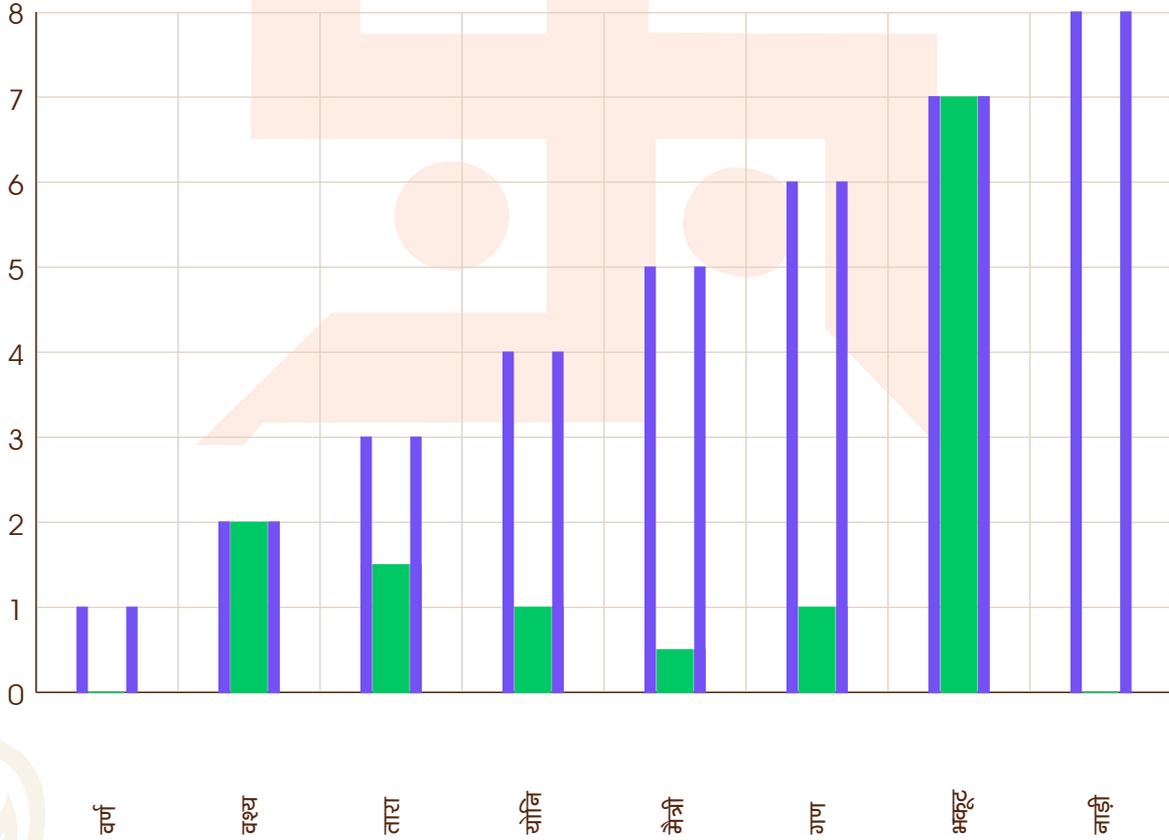
23:46:01 चित्रपक्षीय अयनांश 23:52:54



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सिंह	मेष	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	चन्द्र	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	मकर	कर्क	7	7.00	--	जीवन शैली
नाडी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	13.00		

कुल : 13 / 36



अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र पुष्य है।

V का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार V और Ms. का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

V मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

V तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

V का वर्ण वैश्य है तथा Ms. का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Ms. का वर्ण V के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Ms. अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Ms. को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

वश्य

V का वश्य जलचर है एवं Ms. का वश्य भी जलचर है अर्थात् दोनों का वश्य समान ही है। जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों की शारीरिक स्थिति, स्वभाव, पसंद एवं नापसंद एक ही तरह के होंगे। दोनों के बीच अगाध प्रेम एवं सौहार्द बना रहेगा तथा समान दृष्टिकोण, व्यवहार एवं आपसी समझ होने के कारण एक-दूसरे के साथ सुखी जीवन व्यतीत करेंगे। ऐसा प्रतीत होगा कि दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हुए हैं तथा एक-दूसरे के साथ का आनंद लेते रहेंगे। दोनों एक-दूसरे के कामों में मदद करते रहेंगे तथा परिवार की प्रगति एवं समृद्धि में महती योगदान देंगे।

तारा

V की तारा वध तथा Ms. की तारा क्षेम है। V की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। V बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। V को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ms. लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

V की योनि सिंह है तथा Ms. की योनि मेष है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार

में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व क्लेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूV मिलान में ग्रह मैत्री कूV में V का राशि स्वामी Ms. के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Ms. का राशि स्वामी V के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोV एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

गण

V का गण राक्षस तथा Ms. का गण देव है। अर्थात् Ms. का गण V के गण से श्रेष्ठ है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। जिसके कारण V निर्दयी, कठोर, निष्ठुर एवं झगड़ालू हो सकते हैं। साथ ही V का Ms. के साथ क्रूर व्यवहार करने की संभावना बनी रह सकती है। पति-पत्नी, अक्सर कुत्ते-बिल्लियों की भांति झगड़ा कर सकते हैं एवं परिवार में अक्सर अशांति का माहौल बना रहेगा। Ms. हमेशा हर कदम पर समझौता करने की कोशिश करती रहेगी ताकि दोनों का संबंध बना रहे।

भकूट

V एवं Ms. की राशियां एक दूसरे से सम सप्तक (1/7) हैं। जिसके कारण इस मिलान को अति उत्तम मिलान माना जाता है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान अति शुभ है तथा V व Ms. को शांति, सुख, सौभाग्य, समृद्धि, योग्य संतान एवं चतुर्दिक विकास के अवसरसमय-समय पर मिलते रहेंगे। साथ ही दोनों के बीच असीम प्यार बना रहेगा तथा दोनों हर कार्य में एक-दूसरे की मदद करते रहेंगे।

नाड़ी

V की नाड़ी मध्य है तथा Ms. की नाड़ी भी मध्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान हैं, जो कि अष्टकूV मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात् यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। यदि पति-पत्नी की समान नाड़ी मध्य ही होगी तो पति अथवा पत्नी में से किसी की मृत्यु की संभावना होती है। ऐसी स्थिति में V एवं Ms. का विवाह अति घातक हो सकता है। आपकी संतान कमजोर, डरपोक, मानसिक रूप से असंतुलित, मानसिक बीमारी से ग्रस्त हो सकती हैं। अतः ऐसा विवाह पूर्णतः त्याज्य है।

मेलापक फलित

स्वभाव

V की जन्म राशि पृथ्वी तत्व युक्त मकर तथा Ms. की जन्म राशि जलतत्व युक्त कर्क राशि है। जल एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक समानता होने के कारण V और Ms. में स्वभावगत समानताएं विद्यमान होंगी जिससे आपसी संबंध मधुर रहेंगे तथा वैवाहिक जीवन सुख पूर्वक व्यतीत होगा। अतः यह मिलान सामान्य रहेगा।

V की राशि का स्वामी शनि तथा Ms. की राशि का स्वामी चन्द्रमा परस्पर सम एवं शत्रु हैं। अतः इसके प्रभाव से यदा कदा आपसी संबंधों में मतभेद तथा विरोध का भाव उत्पन्न होगा। साथ ही एक दूसरे के गुणों की अपेक्षा कमियों पर विशेष ध्यान केन्द्रित रहेंगे जिससे संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव उत्पन्न होगा। V और Ms. की परस्पर प्रवृत्ति श्रेष्ठता तथा आलोचना की रहेगी जिससे भी अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा वैवाहिक जीवन में विषमता का सामना करना पड़ेगा।

V और Ms. की राशियाँ परस्पर सप्तम भाव में पड़ती है शास्त्रानुसार यह शुभ भकुV माना जाता है। इसके प्रभाव से उपरोक्त अशुभ प्रभावों में न्यूनता आएगी तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति मन में प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव उत्पन्न होगा एवं परस्पर सुख दुख में पूर्ण सहयोग करने के लिए तत्पर होंगे। आप दूसरे के अस्तित्व को सम्मानजनक ढंग से स्वीकार करेंगे तथा एक दूसरे के मामलों में हस्तक्षेप कम ही करेंगे। अतः परस्पर दाम्पत्य संबंधों में मधुरता में वृद्धि तथा वैवाहिक जीवन की सुखद क्षणों की अनुभूति करने में सफल होंगे।

V और Ms. दोनों का वश्य जलचर है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरुचियों में समानता रहेगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक आवश्यकताएं भी समान रहेंगी। साथ ही दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में सफल होंगे। अतः जीवन सुखमय रहेगा।

V का वर्ण वैश्य है तथा Ms. का वर्ण ब्राह्मण है। अतः इसके प्रभाव से V की प्रवृत्ति धनार्जन में रहेगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे लेकिन Ms. धार्मिक एवं शैक्षणिक कार्यों को करने में तत्पर रहेंगी।

धन

V और Ms. दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूV भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

V और Ms. दोनों की नाड़ी मध्य है। अतः इन दोनों पर नाड़ी दोष का प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से दोनों का स्वास्थ्य प्रभावित होगा। इससे V और Ms. दोनों उदर संबंधी कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे लीवर विशेष प्रभावित रहेगा। परन्तु मंगल का इनके स्वास्थ्य पर कोई दुष्प्रभाव नहीं है। अतः इससे कष्ट की गंभीरता में न्यूनता आएगी परन्तु सामान्य कष्ट वे समय समय पर प्राप्त करते रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस दोष के प्रभाव से V को धातु संबंधी तथा Ms. को मासिक धर्म संबंधी परेशानी हो सकती है। अतः उत्तम वैवाहिक दृष्टि से यह मिलान अनुकूल नहीं होगा जिससे यत्नपूर्वक इसकी उपेक्षा करनी चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से V और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त V और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से V और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार V और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms. अत्यंत ही धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा

उनकी ओर से Ms. पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms. अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

V तथा उनकी सास के आपसी संबंधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा कई मामलों में उनके मध्य काफी प्रबल मतभेद समय समय पर दृष्टि गोचर होंगे। अतः यदि परस्पर सामंजस्य एवं बुद्धिमता के भाव का प्रदर्शन किया जाय तो इन मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा आपसी संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी जिससे स्नेह एवं सम्मान का भाव बना रहेगा।

लेकिन ससुर के साथ में V के संबंध अच्छे रहेंगे तथा वह उन्हें अपने पिता की तरह मान सम्मान तथा सेवा का भाव प्रदान करेंगे। साथ ही समयानुसार वह V को अपनी ओर से बहुमूल्य तथा आवश्यक सलाह भी प्रदान करते रहेंगे एवं उन्हें अपने पुत्र के समान अपनत्व तथा स्नेह प्रदान करेंगे। साले एवं सालियों के साथ ही V के संबंध अच्छे रहेंगे तथा उनसे वांछित आदर सहयोग एवं सहानुभूति प्राप्त होती रहेगी। साथ ही उनसे सामंजस्य का भाव भी रहेगा। इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण V के प्रति अनुकूल ही रहेगा।

लग्न फल

V

ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म हस्त नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्म समय पर मेदिनीय क्षितिज पर कन्या लग्न के साथ-साथ कर्क राशि का नवमांश एवं वृषभ राशीय द्रेष्काण भी उदित हुआ था। प्रस्तुत समन्वित ज्योतिषीय प्रभाव इस विन्दु की संभावना व्यक्त करता है कि आपका जीवन एक प्रस्तर चक्र के समान शोभनीय है जो सदैव एक परत से दूसरी परत तक परिवर्तित होता रहता है। अर्थात् आप काम को बदल-बदल कर सम्पादन करते रहते हो। आपकी महत्वाकांक्षा है कि आपके नाम बैंक में मोटी रकम जमा रहे। परन्तु आप अपनी महत्वाकांक्षा के प्रति अनिवार्य रूप से चिन्तन करना आवश्यक नहीं समझते हैं। लेकिन आप अपनी पहुँच के बारे में अच्छी प्रकार अध्ययन नहीं कर पाते कि आखिर आपकी पहुँच कहाँ तक है।

आपकी ऐसी आदत है कि आप अपने स्तर पर अनिवार्य अधूरे कार्य को त्याग कर नये कार्य प्रभार को ग्रहण कर लेते हो। यह साहसिक कार्य आपके लिए सदैव लाभदायक नहीं रहता है। क्योंकि आप वैधानिक रूप से यह निर्णय नहीं कर पाते हैं।

परन्तु प्रायः आप अस्वाभाविक रूप से बुद्धि को प्रेरित कर अपनी कार्य योजना का विकल्प की तलाश करने लगते हैं। यदि आप विशेषता पूर्वक निर्णय लेकर पूर्ण रूपेण सक्रिय हो जाएं तो आप पूर्ण लाभ प्राप्त करेंगे।

आपकी दूसरी समस्या यह है कि आप अपने विचारों को अत्यन्त संकट ग्रस्त मोड़ दे देते हों। इस कारण ऐसा घटित हो सकता है कि आपके मित्र अथवा व्यवसायिक सहयोगी निरन्तर आपकी कमजोरी के सम्बन्ध में सदैव आलोचना करें। इस प्रकार वे लोग आपको पूर्ण रूपेण तिरस्कृत कर दें। परिणाम स्वरूप वे लोग इस सम्बन्ध में प्रयास करके आपके विरुद्ध न्यायालय में आपकी त्रुटि को उजागर करे। अतः आपको धैर्य पूर्वक अपनी उस आपतजनक गुराने की आदतों को सदा के लिए त्याग देना चाहिए। आपको नाना प्रकार की घरेलू विषयक दुर्बलता का भी त्याग कर देना चाहिए। अन्यथा वातावरण दुषित हो जायगा। वास्तव में आपको अत्यन्त ही आरामदायक भवन तथा गृहणी चाहिए जो हर हालत में प्रेम सम्बन्ध प्रदान करते हुए आपका समर्थन एवं सहयोग करे।

आप विपरीत योनि के प्रति आकर्षित तथा सम्बंधित व्यग्रता या घबराहट उत्पन्न करने वाली रोग प्रणाली के प्रति सतर्कता बरते। ये दोनों रोग उच्चस्तरीय स्पन्दित है। यदि आप पूर्व सतर्कता नहीं बरत सके तो आप इन रोगों से ग्रसित एवं प्रभावित हो जाएंगे। आप को वृद्धावस्था की प्राप्ति होगी। आप को भोजन के अतिरिक्त शाक-सब्जी का भोज्य करने के उपरान्त सम्बंधित रोगों के भार से मुक्त हो जाएंगे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये

चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग सूआपंखी, पीला, हरा एवं सफेद रंग भाग्यशाली एवं प्रभावक हैं। कृपया काला रंग लाल एवं नीला रंगों का त्याग करें।

आपके लिए अनुकूल संभावित एवं स्पष्ट अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक है। इन तारीखों को महत्वपूर्ण समझें। अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए सर्वथा त्याज्य है।

Ms.

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के तृतीय चरण में हुआ था। आपके जन्मकाल पूर्वीय क्षितिज पर वृश्चिक लग्न के साथ-साथ कुंभ राशि का नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। प्रस्तुत लग्नादिक प्रभाव आपके जीवन की सजीवता का चित्रण करता है। आप मन्द चरित्र की प्राणी हैं। आपकी व्यथित परिस्थिति ने जन सामान्य की दृष्टि में आपकी रहस्यमय महत्वकांक्षा को विपरीत परिवेश में प्रस्तुत किया।

आप में धर्म का अल्प ज्ञान है। फिर भी आप एक धर्म प्रचारक के रूप में प्रायः सबों पर धार्मिक प्रभाव डालती हैं। वस्तुतः सत्य तो यह है कि आपके दृष्टिकोण से धार्मिक विचारधारा बहुतायत में प्राप्त करना। यह संप्रति स्वरूप है। अच्छी धार्मिक विचारधारा दूषित पद्धति को निश्चित रूप से स्वच्छ कर देती है।

आप अद्भ्य उत्साह से युक्त होकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु समर्पित हैं तथा स्वतंत्र विचार से भक्ति उपासना की समतुल्यता हेतु स्थिर चित्त से विजयोल्लासित हैं। वास्तव में आप मुसीबतों से संघर्ष करने में आनन्द प्राप्त करती हैं। जिस प्रकार कठिन संघर्ष एवं युद्ध में विजय श्री का आनंद मधुर फलदायी होता है।

समाज में आपकी छवि चतुरता पूर्ण ढंग से अच्छी प्रकार एवं सावधानी पूर्वक अपना कार्य व्यवसाय संचालित करने वालों की श्रेणी में हैं। आपमें दृढ़ कार्य क्षमता के गुण विद्यमान है। परंतु द्वितीय कर्मस्थल पर एवं पति की समस्या का समाधान विशालकाय प्रतीत होता है। आप अपने घर परिवार को प्रसन्नता पूर्वक विकसित करने की इच्छुक हैं। अतएव आप अपनी प्रेमी को प्रसन्न रखने के बिंदु पर प्रयत्नशील रहती हो। परंतु आप अपने पति को किसी भी प्रकार के पश्चाताप का अवसर नहीं देना चाहती हैं। आपका कुछ समय इसी चिंतन में व्यतीत हो जाता है। इस कारणवश आपको पूर्व सूचित किया जाता है कि आप यौन रोग से प्रभावित हो सकती हैं। अतएव गुप्तरूप से वासनात्मक अर्थात् संभोगात्मक रोगादि से रक्षित रहें।

आप अपने स्वास्थ्य की रक्षा के प्रति उचित स्रोत अपनाएं अन्यथा आप अर्श रोग तथा ट्यूमर रोग से जीवन के 13 वें वर्ष 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्षादि में दुःखी हो सकती हैं। उत्तम तो यह है कि समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें।

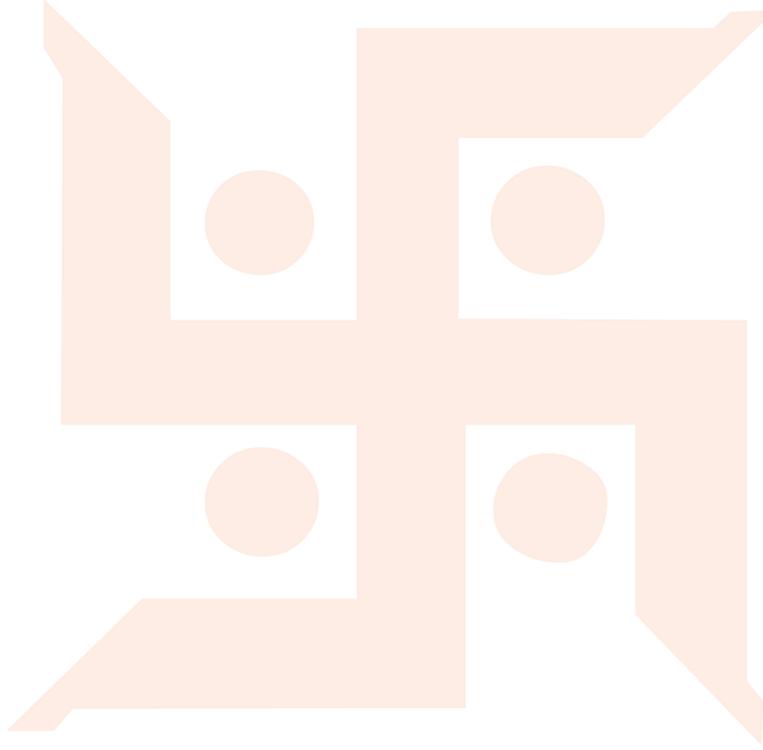
आप सामान्यतः अपने कार्य व्यवसाय को अन्यो के साथ करना अस्वीकार्य करती हैं। परंतु यदि कोई आपको उत्तेजित कर दें तो आप बिच्छू के समान डंक मार कर वृश्चिक राशीय

गुणों को चरितार्थ कर सकती हैं। इसलिए आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति के प्रति सीमित रहना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में कार्य व्यवसाय संपादन हेतु अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। परंतु बुधवार शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु आपके लिए अंक 5, 6 एवं 8 अंक प्रतिकूल है।

आपकी महत्वकांक्षा एवं अनुकूलता हेतु रंग लाल, नारंगी, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु रंग हरा, नीला एवं सफेद रंग आपके हित प्रतिकूल है।



अंक ज्योतिष फल

V

आपका जन्म दिनांक 19 है। एक एवं नौ के योग से आपका मूलांक 1 होता है। मूलांक एक का स्वामी सूर्य ग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल है। इन दोनों ही ग्रहों का प्रभाव आप पर आयेगा। मूलांक एक के प्रभाववश आप सूर्य के समान समाज में लोकप्रिय होंगे। बहुतों का पालन करेंगे। उच्च महत्वाकांक्षाएं आपके अन्दर अधिक रहेंगी। संघर्ष, साहस एवं धैर्य से आप अपनी इच्छाओं की पूर्ति करेंगे। जीवन में आप कई उच्च सफलताएं प्राप्त करेंगे। एकाध कार्यो में रुकावट भी आयेगी, जिसे आप सूर्य मंगल के प्रभाववश अपनी मेहनत, धैर्य एवं साहस से पार कर लेंगे।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपमें अदम्य साहस रहेगा तथा आपकी हमेशा शत्रुओं को जीतने की इच्छा बलवती रहेगी। शत्रु के सामने आप हथियार नहीं डालेंगे और येन केन प्रकारेण शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे। कभी-कभी आप दुःसाहस करेंगे। जिसका फल आपको ठीक नहीं मिलेगा। क्रोध से आपको हानि अधिक होगी। अतः क्रोध से हमेशा बचना आपके लिये हितकर रहेगा।

आपकी विचारधारा स्वतंत्र स्वभाव की रहेगी। इससे आपको किसी के आधीन कार्य करने में असुविधा महसूस होगी। जबकि स्वतंत्र प्रभार वाले कार्यो में आप तन मन धन से सेवा करेंगे और नाम तथा यश प्राप्त करेंगे। आपको अपने रोजगार-व्यापार में स्वतंत्र प्रभार वाले क्षेत्रों का चुनाव करना प्रगति में सहायक होगा। सामाजिक एवं संगठन के क्षेत्र में आप मुखिया के समान कार्य करेंगे एवं स्वयं की योजनानुसार कार्य करने पर आपको अच्छी ख्याति एवं लाभ प्राप्त होगा। सूर्य एवं मंगल का मिला जुला प्रभाव आपको उच्चता प्राप्त करायेगा।

Ms.

आपका जन्म दिनांक 29 होने से दो और नौ के योग से ग्यारह तथा एक धन एक के योग से दो आपका मूलांक होता है। मूलांक दो का स्वामी चन्द्रग्रह है। अंक नौ का स्वामी मंगल तथा योग ग्यारह के अंक एक का स्वामी सूर्य ग्रह हैं। अतः आपके जीवन में चन्द्र, मंगल तथा सूर्य ग्रह का मिलाजुला फल दृष्टिगोचर होगा।

मूलांक दो के स्वामी चन्द्र के प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति बहुत अच्छी रहेगी। आप स्नेहशील, भावुक तथा कला के क्षेत्र में रुचि रखने वाली महिला होंगी। जिस तरह चन्द्रमा घटता-बढ़ता रहता है उसी तरह आपके जीवन में काफी उतार-चढ़ाव आयेंगे। कभी आप पूर्णिमा की तरह प्रफुल्लित होंगी तो कभी अमावस्या के अंधकार में डूब जायेंगी। अतः आपको अपने जीवन में धैर्य, धीरज रखने की अति आवश्यकता है।

आपमें बदलाव की प्रकृति होने से एक कार्य को बीच में ही अधूरा छोड़ दूसरे कार्य में रुचि लेने की प्रवृत्ति पाई जायेगी। इससे कई बार आपके कार्य देर से बनेंगे और एकाधबार

कार्य बिगड़ जाया करेगा। अतः आपको अपने ऊपर भरोसा रखना होगा और कठिन समय में आत्म विश्वास बनाये रखना होगा तभी आप सांसारिक सफलताएं पूर्ण रूपेण प्राप्त करेंगी।

अंक नौ के स्वामी मंगल के प्रभाव से आपके अन्दर नेतृत्व करने की क्षमता का विकास होगा। आप समाज के विभिन्न क्षेत्रों में मुखिया के रूप में कार्य करेंगी। साहस एवं पराक्रम के कार्यों में सहयोग देंगी। अंक एक के स्वामी सूर्य के प्रभाव से आप महत्वाकांक्षी एवं उदीयमान महिला के रूप में पहचान स्थापित करेंगी।

V

भाग्यांक आठ का स्वामी शनि ग्रह को माना गया है। शनि ग्रह अति धीमा होने से तीस वर्ष में एक राशिपथ भ्रमणचक्र पूर्ण करता है। इसके प्रभाव से आपका भाग्योदय भी धीरे-धीरे होगा। आप भले ही कितनी भी गरीबी में उत्पन्न हुए हों आपका भाग्य सीढ़ी दर सीढ़ी चढ़ता चला जायेगा। इस मध्य रुकावटें भी आयेंगी, जिन्हें आप धैर्य एवं अपने श्रम से पार कर लेंगे। आलस्य एवं निराशा आपकी तरक्की की बाधाएं रहेंगी। इन पर विजय प्राप्त करना आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आप अपने कार्यक्षेत्र में काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को प्राप्त करेंगे। आपकी सभी सफलताएं विधनों से युक्त होते हुये भी आप आसानी से अपनी तरक्की के रास्ते स्वयं निर्मित कर लेंगे। आपका भाग्योदय 35 वर्ष की अवस्था के पश्चात ही होगा। बचपन की अपेक्षा मध्य तथा अन्तिम अवस्था आपके भाग्योदय में विशेष सहायक होगी। अन्तिम अवस्था आपकी अच्छी रहेगी एवं धन सम्पत्ति का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे।

Ms.

भाग्यांक सात का स्वामी भारतीय मत से केतु तथा पाश्चात्य मत से नेपच्यून ग्रह को माना गया है। यह कल्पना शक्ति, विचार शक्ति, अच्छी देता है। भाग्योदय रुकावटों के साथ करता है। आर्थिक क्षेत्र में प्रायः कमी करता है। धन संग्रह बड़ी- कठिनाई से होता है, अन्यथा ज्यादातर धन की कमी बनी रहती है। कला एवं दर्शन के क्षेत्र में आपका रुझान रहेगा। इन क्षेत्रों को आप कर्म-क्षेत्र बना सकती हैं। इनमें आपकी उन्नति निहित होगी।

आपको ऐसा रोजगार पसन्द आयेगा जिसमें यात्रा के अवसर मिलते रहें। दूर-दूर की यात्रा करना, सैर सपाटा आपके लिए रुचिपूर्ण रहेगा। कई एक यात्राओं से आप व्यावसायिक उन्नति प्राप्त करेंगी। दूर के व्यक्तियों से आपके अच्छे संबंध बनेंगे जो रोजगार व्यापार में आपको लाभ प्रदान करेंगे। प्राचीन रीति-रिवाजों पर आपकी आस्था कम रहेगी तथा परिवर्तन करते रहना आपको सुहायेगा। आपका कार्यक्षेत्र यदा-कदा परिवर्तित होता रहेगा।